Sixteenth Loksabha

>

Title: Reported manhandling of Members of Parliament by UP Police.

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं पूरे देश को बताना चाहता हूं कि कल हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव को इलाहाबाद विश्वविद्यालय और कुंभ के मेले में वहां के सबसे बड़े महंत अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने निमंत्रण दिया।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश के प्रशासन ने उनको लखनऊ में रोक दिया। हम लोग इलाहाबाद में मौजूद थे।...(व्यवधान) हम लोग गांधी जी की प्रतिमा पर, मैं खुद, मेरे साथ नागेन्द्र पटेल, प्रवीण, निषाद सहित कई सांसद, विधायक, एमएलसी थे।...(व्यवधान) हम लोग गांधी जी की मूर्ति पर माला चढ़ा रहे थे।...(व्यवधान) अहिंसा के पुजारी के नारे लगा रहे थे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, यह संवेदनहीन सरकार, अहिंसा के पुजारी की मूर्ति पर जिस समय एमपी माला चढ़ा रहे थे, इनकी पुलिस के कप्तान नितिन तिवारी, वहां के डीएम, वहां के पुलिस प्रशासन के लोग, हमारे निहत्थे साथियों पर लाठीचार्ज, गोली चला रहे थे।...(व्यवधान) यही नहीं, पिटते-पिटते यह हालत हुई कि हम तीनों सांसद, कई विधायक, कई एमएलसी, कई हमारी महिलाएं, कई हमारे यूनिवर्सिटी के पदाधिकारी सबको पीटा गया। हमारी छात्राओं को पीटा गया, हमारे बुजुर्गों को पीटा गया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, उसका उदाहरण आप देख रही हैं, लोक सभा चैनल के माध्यम से पूरा देश देख रहा है, मीडिया के माध्यम से देश ने देखा है कि किस तरह से लाठियां हम सांसदों सहित पूरे समाजवादी लोगों पर चलाई गई हैं।...(व्यवधान) अध्यक्ष जी, चलाईं किसने, जिसका सबसे बड़ा इतिहास है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष जी, जिस मुख्य मंत्री का सबसे बड़ा इतिहास है, उसने चलाया और उस मुख्य मंत्री को इसी सदन में लोगों ने रोते हुए भी देखा है।...(व्यवधान) अध्यक्ष जी, हम समाजवादी लोग रोने वाले नहीं हैं। हम समाजवादी लोग ईंट का जवाब ईंट से और पत्थर से देंगे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से इलाहाबाद के कप्तान नितिन तिवारी, वहां के डीएम सुहास एल.वाई. की ओर से मैं स्वयं, हमारे साथी नागेन्द्र पटेल, हमारे साथी प्रवीण पटेल, हम तीनों सांसद आपकी सेवा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस देते हैं। अध्यक्ष जी, आपसे अपील करते हैं, इसको स्वीकारिए । 16वीं लोक सभा का यह आखिरी दिन है। अध्यक्ष जी, एक ऐसी परम्परा डालिए कि जो हमारी लोक सभा की स्पीकर हैं, वह हमारी अभिभावक हैं। वह पक्षपात नहीं करेंगी। ये अधिकारी, जो लोकतंत्र खत्म करना चाहते हैं, जो अन्याय करना चाहते

हैं, जो अत्याचार करना चाहते हैं, ऐसे अधिकारियों का इस लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है।...(व्यवधान) हालांकि अध्यक्ष जी, जो सरकार चल रही है, जो मुख्य मंत्री हैं और जिनके निर्देश पर मुख्य मंत्री चल रहे हैं, इनकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में, लोकतांत्रिक संस्था में कोई आस्था नहीं है, कोई भरोसा नहीं है।

इसलिए अध्यक्ष जी, हमारे इस नोटिस को और हमारे साथियों के नोटिस को स्वीकार करिए और कड़ी से कड़ी कार्रवाई का आप निर्देश दीजिए। यह हमारी अपील है। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन और श्रीमती सुप्रिया सुले को श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाबुल सुप्रियो): बंगाल में यह रोज होता है।... (व्यवधान) आपके माध्यम से मैं पूछना चाहता हूं कि तब ये कहां रहते हैं? ...(व्यवधान) बंगाल में रोज ऐसा होता है।...(व्यवधान)

ग्रामीण विकास मंत्री, पंचायती राज मंत्री, खान मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर): माननीय अध्यक्ष महोदया, हमारे सांसद ने जो बात व्यक्त की, उनके प्रति मेरी सहानुभूति है। ...(व्यवधान)

-

At this stage, Shri Dharmendra Yadav and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

लेकिन उन्होंने जो व्यक्त किया वह सच नहीं है, क्योंकि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में अखिलेश जी का कार्यक्रम था और उस समय इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने प्रशासन को लिख कर दिया कि ये आएंगे तो कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होगी। ...(व्यवधान) इस कारण उनको रोकना पड़ा। ...(व्यवधान) इसका भारतीय जनता पार्टी और सरकार से कोई भी लेना-देना नहीं है। ...(व्यवधान)